Department of Hindi
St. Bede's College, Shimla

हिंदी विभाग की गतिविधियाँ 2023-24

हिन्दी सप्ताह 2023 का आयोजन

तिथि : 08 सितंबर, 2023

गतिविधि : पोस्टर निर्माण

उद्देश्य :छात्राओं को अपने सर्जनात्मक कौशल को विकसित करने की प्रेरणा देना।

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी सप्ताह का आयोजन किया ।08 सितम्बर 2023 को छात्राओं को हिन्दी भाषा की महिमा को रेखांकित करने वाले पोस्टर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

परिणाम:पोस्टरों में छात्राओं के रचनात्मक और बौद्धिक कौशल प्रदर्शित हुए ।

छात्राओं द्वारा निर्मित हिंदी भाषा के महत्त्व को रेखांकित करता पोस्टर

तिथि : 11 सितंबर, 2023

गतिविधि :अतिथि व्याख्यान

विषय :"*हिंदी कथा लेखन और पर्यावरण संरक्षण: विचार एवं प्रक्रिया*" (‘जी 20’ और ‘युवामंथन 20’ के तहत आयोजित)

उद्देश्य :

- छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की अवधारणा को समझने का अवसर देना।
- छात्राओं को प्रमुख समसामयिक मुद्दों को दर्शाने वाले समृद्ध हिंदी साहित्य को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्राओं को हिंदी में अपने रचनात्मक लेखन कौशल को बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।

11 सितंबर 2023 को महाविद्यालय के संगोष्ठी कक्ष में हिंदी विभाग द्वारा "***हिंदी कथा लेखन और पर्यावरण संरक्षण: विचार एवं प्रक्रिया***" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान महाविद्यालय की प्राचार्या, प्रो. सिस्टर मौली अब्राहम की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अतिथि के रूप में प्रख्यात और व्यापक रूप से पढ़े जाने वाले हिमाचली और हिंदी लेखक, श्री एस.आर. हरनोट को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के विमर्शको बढ़ावा देने में हिंदी भाषा की भूमिका पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था । व्याख्यान के विषय को समझने में मदद करने के लिए उनकी कहानी ‘नदी गायब है’ का पाठ छात्राओं द्वारा किया गया ।

परिणाम :

• छात्राओं ने अपने पर्यावरण को संरक्षित करने और सतत विकास के लिए विभिन्न समाधान तलाशने की उभरती आवश्यकता को समझा।

• छात्राओं ने हिंदी साहित्य के महत्व एवं प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

• छात्राओं ने हिंदी में रचनात्मक लेखन में रुचि दिखाई और प्रख्यात लेखक से इस पर सलाह मांगी।

व्याख्यान एवं कथापाठ

सेंट बीड्स कॉलेज में कथा पाठ का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। सेंट बीड्स कॉलेज शिमला में मनाए जा रहे हिंदी सप्ताह के तहत कथा लेखन में पर्यावरण संरक्षण : विचार एवं प्रक्रिया पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ साहित्यकार एसआर हरनोट की कथा पाठ से हुआ।

हरनोट की कथा 'नदी गायब है' का पाठ महाविद्यालय की छात्रा मीनाक्षी शर्मा और इंदू चौहान ने किया। पलक शर्मा ने साहित्यकार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिस्टर मॉली अब्राहम ने साहित्यकार एसआर हरनोट का स्वागत किया। प्राचार्य ने छात्राओं को हिंदी भाषा का उपयोग करने, सृजनात्मक लेखन में रुचि लेने के साथ पढ़ने की आदत डालने के लिए प्रेरित किया।

एसआर हरनोट ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया। महाविद्यालय की विभाग अध्यक्ष डॉ. देविना अक्षयवर ने कार्यक्रम में मौजूद मौजूद सभी छात्राओं एवं एक मुख्यातिथि का आभार जताया। इस आयोजन में हिंदी विभाग की शिक्षिका अंजना देवी भी मौजूद रहीं।

शिमला के सेंट बीड्स कॉलेज में हिंदी सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेतीं छात्राएं और शिक्षक। संवाद

-

तिथि : 13 सितंबर, 2023

गतिविधि :अन्तर्विद्यालय एवं अंतरयाननिबंध लेखन प्रतियोगिता

विषय :*"पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से परस्पर जुड़े हैं "* एवं"***शांति एवं सद्भावना देश के विकास के लिए ज़रूरी है***

उद्देश्य :

• स्कूल और कॉलेज की छात्राओं को G20 शिखर सम्मेलन की प्रासंगिकता और शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में भारत की भूमिका को समझने के लिए प्रोत्साहित करना।

• छात्राओं को उनके काल्पनिक और रचनात्मक कौशल को बढ़ाते हुए हिंदी में लिखने के लिए प्रोत्साहित करना।

• युवा वर्ग को पर्यावरण संरक्षण, सस्टेनेबल डेवलोपमेन्ट तथा आपदा प्रबंधन कौशल की अवधारणा को समझने में मदद करना और समानता और मानवीय मूल्यों के आधार पर बेहतर राष्ट्र–निर्माण के लिए शांतिएवं सद्भावनाके महत्व को रेखांकित करना।

.

13 सितंबर, 2023 कोहिंदी विभाग द्वारा **"*पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से परस्पर जुड़े हैं*"** विषय पर एक अन्तर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता और **"*शांति एवं सद्भावना देश के विकास केलिए ज़रूरी है*"** विषय पर एक अंतरयाननिबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। निबंध हिन्दी में लिखे गये थे। दोनों विषय **युवामंथन 20**थीम के अंतर्गत दिए गए थे।

जीसस एंड मैरी, चेल्सी स्कूल शिमला और डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लक्कड़ बाजार, शिमला के छात्रों ने अन्तर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। चेल्सी स्कूल की जोआना वर्मा पहले स्थान पर और डीएवी लक्कड़ बाजार के वत्सल भारद्वाज दूसरे स्थान पर रहे।

अंतरयाननिबंध लेखन प्रतियोगिता में, आईएनएस विकास से रिया शर्मा ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद आईएनएस चिराग से सेजल दूसरेस्थान पर रहीं।

परिणाम :

• प्रतिभागियों ने दिए गए विषयों पर गहन शोध के बाद अपने निबंध लिखे। इस प्रकार उन्होंने दोनों अवधारणाओं को विस्तार से समझा।

• प्रतिभागियों ने अपने राष्ट्र के सामने आने वाली समसामयिक पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए और उनसे निपटने के उपाय सुझाए।

• छात्रों ने अपना निबंध हिंदी में लिखाऔरसमसामयिक मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त की। इस प्रकार, उन्होंने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों को व्यक्त करने में सक्षम एक माध्यम भाषा के रूप में हिंदी के मूल्य को समझा।

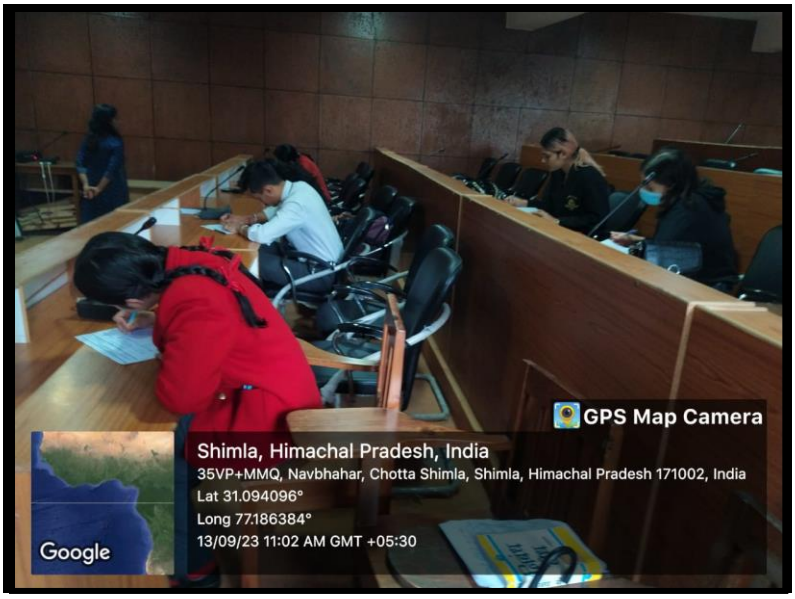

अंतर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागी

amarujala.com

सेंट बीड्स कॉलेज शिमला में आयोजित निबंध लेखन स्पर्धा के विजेताओं को सम्मानित करतीं शिक्षक। संवाद

चेल्सी स्कूल की जोआना निबंध लेखन में रही प्रथम

शिमला। सेंट बीड्स कॉलेज शिमला के हिंदी विभाग ने हिंदी दिवस पर बुधवार को निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं का संचालन विभागाध्यक्ष देविना ने किया। अंतर स्कूल प्रतियोगिता के घोषित नतीजों में कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी चेल्सी स्कूल की जोआना वर्मा ने पहला स्थान पाया। डीएवी सेनिटर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल लक्कड़ बाजार के वत्सल भारद्वाज ने द्वितीय रहे। शिक्षिका एवं मीडिया इंचार्ज पूनम चौहान ने बताया कि विजेताओं को विभागाध्यक्ष ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर आयोजित यान प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। संवाद

आपदा प्रबंधन का ढांचा करें मजबूत

शिमला। सर्वहितकारी - विकास संस्था की बैठक में बारिश से हुए नुकसान पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रदेश सरकार से आपदा प्रबंधन का ढांचा मजबूत करने का आह्वान किया गया।

मीडिया की रिपोर्ट

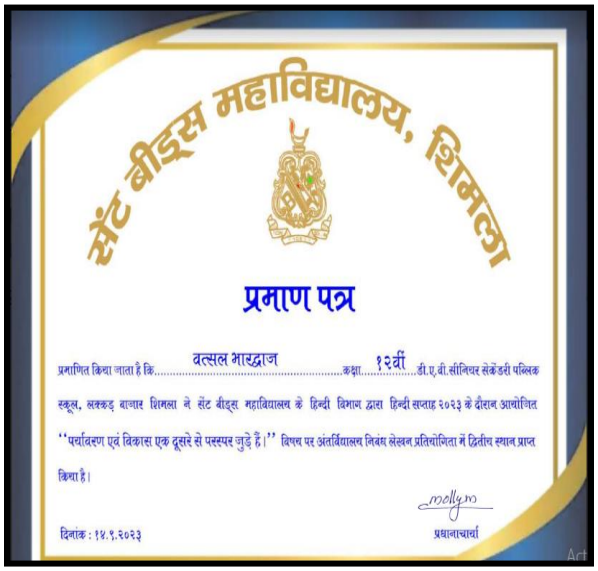

सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वत्सल भारद्वाज कक्षा १२वीं डी.ए.वी.सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, लक्कड़ बाजार शिमला ने सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह २०२३ के दौरान आयोजित "पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से पस्स्पर जुड़े हैं।" विषय पर अंतर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

दिनांक : १४.९.२०२३

प्रधानाचार्या

सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री जोआना वर्मा कक्षा १०वीं कॉन्वेंट ऑफ जीसस मेरी स्कूल, चेल्सी शिमला ने सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी सप्ताह २०२३ के दौरान आयोजित "पर्यावरण एवं विकास एक दूसरे से पस्स्पर जुड़े हैं।" विषय पर अंतर्विद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

दिनांक : १४.९.२०२३

प्रधानाचार्या

छात्रों को प्रदत्त प्रमाण पत्र

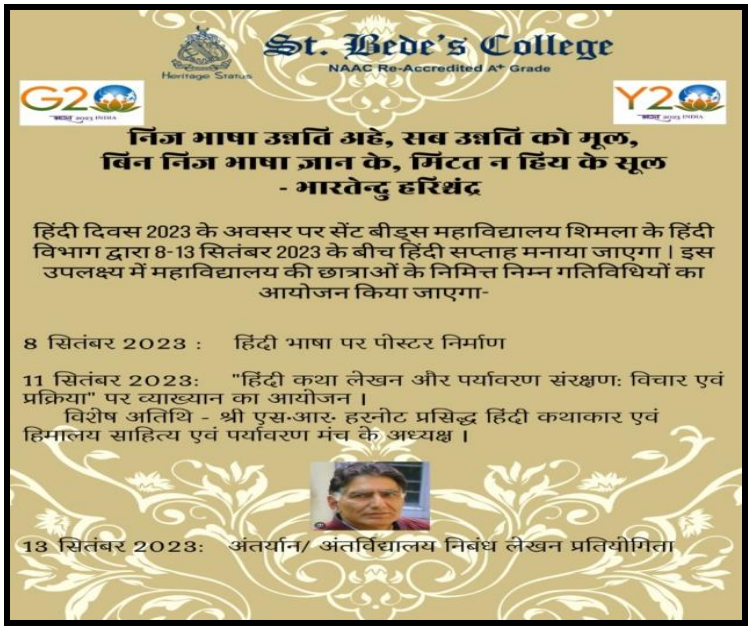

ब्रोशर हिंदी सप्ताह 2023

हिन्दी दिवस 2023 का आयोजन

तिथि :14 सितंबर, 2023
गतिविधि :हिन्दी दिवस
**विषय : "*राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी*" (‘जी 20’ और ‘युवामंथन 20’ के तहत आयोजित)

उद्देश्य :

• छात्राओं को सुचारुरूप से हिंदी बोलने, पढ़ने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करना।

• छात्राओं को सांस्कृतिक पुनर्जागरण के सन्दर्भ में पूरे देश को एकजुट करने में हिंदी भाषा की तत्कालीनभूमिका के बारे में और विभिन्न ऐतिहासिक पहलुओं के बारे में जानने के लिए प्रेरित करना।

• छात्राओं को पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल होने, उनके भाषणऔर नेतृत्व कौशल तथासामूहिक रूप से काम करने की भावना को बढ़ावा देना।

• छात्राओं के आत्म–विश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदी में मंच संचालन, भाषण, नृत्य आदि गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।

14 सितंबर, 2023 को सेंटबीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन कियागया। समारोह में समूचे महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, गैर शिक्षण अधिकारी तथा छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।हिंदी दिवस समारोह G20 और Y20 2023के उपलक्ष्य में ***"राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी"***विषयके तहत मनाया गया, जिसके बीच आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बी.ए ,बीकॉम तथा डी. एल. एड.की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।उन्होंने समारोह के सूत्रधार के रूप में, भाषण, प्रख्यात हिंदी कवि और स्वतंत्रता सेनानी 'अज्ञेय' पर पीपीटी, राष्ट्रीय एकता और हिंदी पर समूह नृत्यआदि प्रस्तुत किये ।

परिणाम :

• विभिन्न गतिविधियों के माध्यम सेछात्राओं को हिंदी में खुद को अभिव्यक्त करने का एक मंच मिला। उन्होंने भारतीय संस्कृति की विरासतके रूप में हिंदी भाषा का प्रचार–प्रसार किया।

• छात्राओं ने अपने देश और विदेश में हिंदी के महत्त्व और उसकी महिमा को समझा।

• सभी गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी से उन्हें एक टीम के रूप में काम करने, नेतृत्व कौशल को बढ़ाने और आत्मनिर्भर होने के लिए आत्मविश्वास बनाने में मदद मिली।

• छात्राओंने हिंदी में स्क्रिप्ट लेखन और शब्दों के सही उच्चारण के बारे में भी सीखा। उनकेप्रयासों की पूरे कॉलेज समुदाय ने सराहना की।

"राष्ट्रीय एकीकरण और हिंदी" थीम पर छात्राओं की नृत्य प्रस्तुति

हिंदी भाषा के महत्त्व पर भाषण देती डी. एल .एड की छात्रा

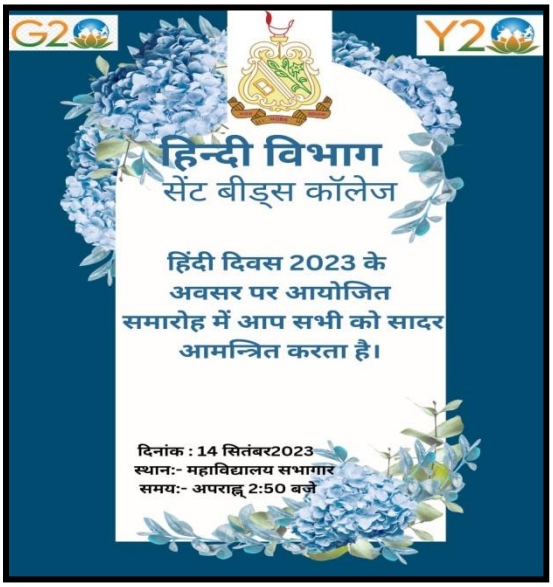

ब्रोशर हिंदी दिवस 2023

तिथि : 21 फ़रवरी, 2024

गतिविधि : ***"मेरी मातृभाषा मेरी पहचान"***पर कवितालेखन प्रतियोगिता

अवसर :अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को अपनी मातृभाषा अथवा स्थानीय बोलियों के महत्त्व के बारे में ज्ञानवृद्धि हो।

- छात्राएँ अपनी स्थानीय बोलियों का प्रयोग करके उसे गति देती रहें ।
- अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने में उनका आत्म–विश्वास बढ़े।

21फ़रवरी 2024 को सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 मनाया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभाग द्वारा यह प्रयास किया गया कि महाविद्यालय की छात्राएँ अपनी मातृभाषा के महत्त्व को समझें और उसका प्रयोग अपने दैनंदिन जीवन में करते हुए उसे गति देती रहें । इस उपलक्ष्य में विभाग द्वारा ***"मेरी मातृभाषा मेरी पहचान"***पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कियागया ।प्रतियोगिता में बी. ए. की छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।विजेताओं का विवरण इस प्रकार है –**स्थान नामकक्षाबोली**

प्रथमसुश्री सहर शर्मा बी.ए. द्वित्तीय वर्ष पहाड़ी

द्वित्तीय सुश्री मीनाक्षी शर्मा बी.ए. तृत्तीय वर्ष मंडयाली

परिणाम :

- छात्राओं को अपनी मातृभाषा की गरिमा के बारे में ज्ञात हुआ।
- छात्राओं को अपनी क्षेत्रीय बोलियों में निहित सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने की प्रेरणा मिली।
- छात्राओं में हिंदी और अंग्रेज़ी से इतर क्षेत्रीय बोलियों में स्वयं को अभिव्यक्त करने का आत्म – विश्वास बढ़ा।

ब्रोशर - अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

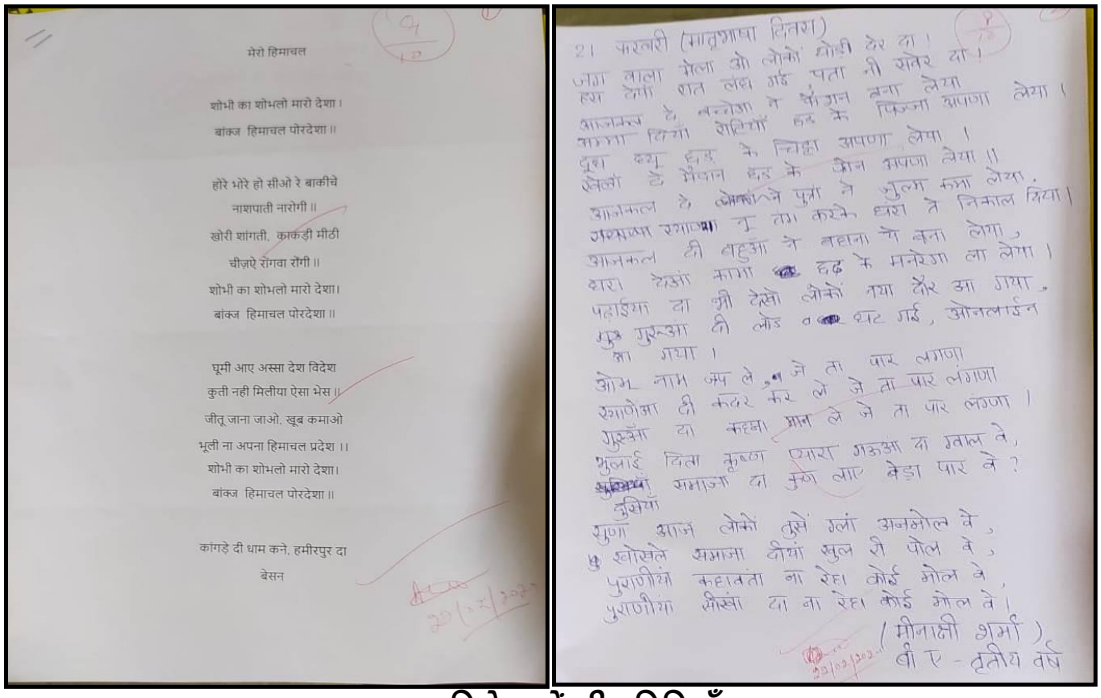

मेरो हिमाचल

शोभी का शोभलो मारो देशा।
बांक्ज हिमाचल पोरदेशा॥

होरे भोरे हो सीओ रे बाकीचे
नाशपाती नारोगी॥
खोरी शांगती, काकड़ी मीठी
चीज़ऐ रोंगवा रोंगी॥
शोभी का शोभलो मारो देशा।
बांक्ज हिमाचल पोरदेशा॥

घूमी आए अस्सा देश विदेश
कुती नही मिलीया ऐसा भेस॥
जीतू जाना जाओ, खूब कमाओ
भूली ना अपना हिमाचल प्रदेश॥
शोभी का शोभलो मारो देशा।
बांक्ज हिमाचल पोरदेशा॥

कांगड़े दी धाम कने, हमीरपुर दा
बेसन

21 फरवरी (मातृभाषा दिवस)
जगा वाला मेला ओ लोको थोड़ी देर दा।
इस देया रात लंघ गई पता नी सवेर दा।
आजकल दे बच्चेआं ने फैशन बना लेया
कमा दियां शर्टियां छड़ के जिन्ना अपणा लेया।
दुध दयूं छड़ के चिप्स अपणा लेया।
खेलां दे मैदान छड़ के फोन अपणा लेया॥
आजकल दे पुत्रां ने जुल्म कमा लेया,
अम्मा बापुआ नु तंग करके घरा ते निकाल दिया।
आजकल दी बहुआं ने बहाना ऐ बना लेया,
घरा देआं कामा छड़ के मनोरंजन ला लेया।
पढ़ाईया दा भी देखो लोको नया दौर आ गया,
गुरुआं दी लोड घट गई, ऑनलाईन आ गया।
ओम नाम जप ले, जे ता पार लगणा
स्याणेआ दी कदर कर ले जे ता पार लगणा
गुरुआं दा कहणा मान ले जे ता पार लगणा।
भुलाई दिता कृष्ण प्यारा गऊआ दा ग्वाल वे,
दुखियां समाजा दा कुण लाए बेड़ा पार वे?
सुणा आज लोको तुसें गलां अनमोल वे,
खोखले समाजा दीयां खुल गी पोल वे,
पुराणीयां कहावतां ना रेहा कोई मोल वे,
पुराणीया सीखा दा ना रेहा कोई मोल वे।
(मीनाक्षी शर्मा)
बी ए - तृतीय वर्ष

विजेताओं की प्रविष्टियाँ

तिथि :11 मार्च,2024

गतिविधि :हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसाइटी की सहभागिता मेंआयोजित नुक्कड़ नाटक

थीम: ***"मुझे काटो मत मुझे रोको मत"***

अवसर :अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को प्रदर्शन कला (परफार्मिंग आर्ट्स) में अपनी प्रतिभा और कौशल बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।
- छात्राओं को सार्वजनिक मंच प्रदान करना जहाँ वे परिवार, समाज और प्रकृति संरक्षण में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका को समझकर उसे आम जन के बीच रेखांकित कर सकें।
- छात्राओं को लैंगिक समानता और अवसर पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना।
- छात्राओं को अपनी भावाभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्त्व के बारे में समझाना।

11 मार्च,2024 कोसेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसाइटी की सहभागिता में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 के अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । नुक्कड़ नाटक का विषय था ***"मुझे काटो मत, मुझे रोको मत"।*** महाविद्यालय की बी.ए., बीकॉम और अर्थशास्त्र की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का मंचन एम्फीथिएटर, रिज, शिमला में आम जनता के बीच उत्साहपूर्वक किया, जिसमें महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ ही 'चिपको' और 'नर्मदा बचाओ' आंदोलनों के विशेष संदर्भ में प्रकृति संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया। यह नुक्कड़ नाटक मूलतः इकोफेमिनिज़्म की विचारधारा को प्रदर्शित करने के लिए मंचित किया गया।

परिणाम :

• छात्राओं के प्रदर्शन कौशल को समृद्ध किया गया और दर्शकों का सामना करने के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

• छात्राओं ने स्त्री की पारिवारिक और सामाजिक भूमिका से इतर पर्यावरण संरक्षण जैसे व्यापक क्षेत्रों मेंअपनी भूमिका का अन्वेषण किया।

• छात्राओं ने अपने समाज के रोल मॉडल के बारे में सीखा जिन्होंने न केवल अपनी पहचान के लिए बल्कि एक बड़े उद्देश्य के लिए संघर्ष किया।

• छात्राओं को आत्माभिव्यक्ति करने के लिए सार्वजनिक मंच मिला, जहाँ मीडिया और आम जनता द्वारा उनकी खूब सराहना हुई।

एम्फीथियेटर रिज पर छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन

ब्रोशर " मुझे काटो मत मुझे रोको मत"

नाटक का मंचन कर युवाओं ने बटोरी वाहवाही

शिमला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सेंट बीड्स कॉलेज की छात्राओं की ओर से सोमवार को रिज मैदान के ओपन थियेटर में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। हिंदी विभाग और डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसायटी की ओर से मुझे काटो मत, मुझे रोको मत नाटक के जरिये सामाजिक कुरीतियों को दर्शकों के समक्ष रखा गया। कॉलेज छात्राओं ने अपने अभिनय के माध्यम से महिलाओं की पारिवारिक, सामाजिक भूमिकाओं को रेखांकित करते हुए उनके प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अहम भूमिका को रेखांकित किया। नाटक में अरूणिमा, इशिता, जहानवी, रित्विका और भूमिका ने अभिनय किया। संवाद

Amar Ujala 12 March 2024

मीडिया की रिपोर्ट